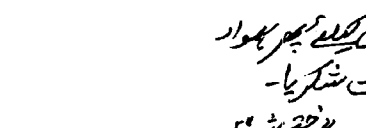

Re: Withdrawal of Personal Security

श्री रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् मैं आपके माध्यम से इस सदन से और सरकार से अपनी और अपने परिवारीजनों और अपने साथियों की सुरक्षा को लेकर जो चिंता है उसको अवगत कराना चाहता हूं आवश्यक कार्रवाई के लिए। अभी पांच तारीख को काशी विद्यापीठ में, इस बात की इसलिए चर्चा कर रहा हूं कि उसके बाद की जो घटनाएं है उसका सब परिणाम है जो मैं आपको बता रहा हूं। पांच अप्रैल को काशी विद्यापीठ का छात्र संघ का चुनाव हुआ था और उसमें रामप्रकाश पांडे अध्यक्ष चुने गए जो हमारी समाजवादी पार्टी की यूथ विंग का कार्यकर्ता था। छः तारीख को काशी में ही उसकी हत्या कर दी गई और उसके साथ समाजवादी युवजन सभा उत्तर प्रदेश के वाईस प्रेसीडेंट और काशी विद्यापीठ के एक्स प्रेजीडेंट सुनील राय और कई पार्टी के दो और पदाधिकारी थे, वह मार दिए गए। इसके बाद समाजवादी पार्टी के एम०पी० महामहिम राष्ट्रपति से मिले और उनसे अनुरोध किया कि हमारे कार्यकर्ताओं की रक्षा की जाए। उस मेमोरंडम में जिन एम०एल०एज० की आशंका व्यक्त की गई थी कि उनकी हत्या की जा सकती है, अगले दिन उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने प्रेस को स्टेटमेंट देकर कुछ एम०एल०एज० के बारे में यह कहा कि इनका अपराधिक इतिहास है और यह कह कर उन्होंने अपनी ड्यूटी पूरी कर ली। चूंकि मैंने यह पत्र लिखा था अलग से गवर्नर को, तो उसका यह रिएक्शन हुआ कि मेरी जो सुरक्षा की व्यवस्था थी इसको विद्ड्रो कर लिया गया। मेरा एक भतीजा रनवीर सिंह ब्लौक प्रमुख है, उसकी सुरक्षा भी विद्ड्रो कर ली गई। मेरा भाई सत्यपाल सिंह जसवंत नगर से एम०एल०ए० है वह इटावा जिला पंचायत का अध्यक्ष भी चुना गया और जिला कोआपरेटिव बैंक का इलेक्टेड प्रेजीडेंट भी है। और आज भी उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक जो एपैक्स बाडी है, उसका चेयरमैन है। उसके बारे में यह कहा कि इसकी क्रिमिनल हिस्ट्री है। मुझे चूंकि यह बार-बार कहा जाता है इसलिए मैंने इटावा के एस०एस०पी० को पत्र लिखकर जानना चाहा कि हमारे भाई के बारे में बार-बार ऐसी बात होती है, मैं जानना चाहता हूं कि इसके खिलाफ कितने मुकदमें कायम हुए, किसने मुकद्दमें कायम कराए और क्या कभी इसमें गिरफ्तारी हुई, चार्ज शीट हुई, क्या स्थिति है। एस०एस०पी० ने जो जवाब लिखा है उसका आनरेबिल पोर्शन मैं बता रहा हूं। उसमें लिखा है "क्योंकि सभी अभियोगों में विवेचना के पश्चात अंतिम रिपोर्ट प्रेषित की गयी थी और न्यायालय से अंतिम रिपोर्ट स्वीकृत होने के पश्चात् दाखिल दफ्तर की जा चुकी है। यह सभी अभियोग वर्ष 89-91 के मध्य पंजीकृत कराए गए हैं। इसके-पूर्व-तथा-बाद में कोई अभियोग पंजीकृत नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि उपरोक्त सभी अभियोग राजनीतिक प्रतिर्दंदिता के कारण पंजीकृत कराये गये हैं क्योंकि सभी अभियोगों में न्यायालय द्वारा अंतिम रिपोर्ट स्वीकार की गयी है। अतः उक्त अभियोगों को किसी व्यक्ति के आपराधिक इतिहास में शामिल नहीं किया जा सकता।" यह इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हमारे पत्र के जवाब में हमें लिखा है। श्रीमन् इसी तरह से हमारे एक एम०एल०ए० ओम प्रकाश सिंह है। वह बनारस हिन्दू यूनीवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के प्रेजीडेंट 1984-85 में थे। तत्कालीन चीफ मिनिस्टर की मीटिंग उन्होंने वहां नहीं करने दी थी इसलिए 1985-86 में उनके खिलाफ, लंका एक थाना है, जिसके अंतर्गत बी०एच०यू० का कैम्पस आता है, उसमें 27 मुकद्दमें स्टूडेंट ऐजीटेशन के दौरान कायम हुए। किसी में कभी कोई चार्ज शीट नहीं थी। वह गाजीपुर के रहने वाले है, वहां से कई बार एम०एल०ए० हुए। उस जिले में जहां रहते है, जहां बस रहे हैं, कभी कोई मुकद्दमा कायम नहीं हुआ लेकिन चीफ मिनिस्टर ने कहा कि यह गुंडे हैं और उनके खिलाफ मुकद्दमें कायम है।

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप अपनी बात कहिए।

श्री रामगोपाल यादव : महोदय, यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि 8 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने एक प्रैस स्टेटमैंट करके यह कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग गुंडे हैं, उनको हम ठिकाने लगा देंगे। श्रीमन् आप तो हिन्दी के विद्वान है, आप जानते हैं कि ठिकाने लगाने का अर्थ क्या होता है। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि जब कोई चीफ मिनिस्टर यह कहे कि हम उनको ठिकाने लगा देंगे तो हमसे जो रंजिश रखता होगा, उसको भी यह बल मिल जाता है कि जब चीफ मिनिस्टर ही इनके खिलाफ है तो ऐसे में यदि इनके खिलाफ हमला कर दिया जाए या इन्हें मार दिया जाए तो हमारे खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होगी। इसलिए सतपाल सिंह जो हमारा छोटा भाई है, एम०एल०ए०

है, दो तारीख को दिन में उसके मकान के पीछे पिछवाड़े वाले हिस्से में एक बम विस्फोट हुआ। चार बम पुलिस को मिले बाहर गार्ड लगे हुए थे, उसने जाकर सूचना दी, उसने एफ०आई०आर० लॉज कराई। इसके बाद जब पुलिस आयी तो चार बम और बरामद हुए। अभी कुछ दिन पहले आपने समाचार पत्रों में पढ़ा होगा कि सहारनपुर की पुलिस ने एक कश्मीरी उग्रवादी को जब पकड़ा तो उसने कनफैस किया कि वह मुलायम सिंह के पुत्र और उनके परिवार का अपहरण कुछ उग्रवादियों को छुड़ाने के लिए करना चाहता था। इट इज़ आॅन रिकार्ड। आई०बी० के इंस्ट्रक्शंस पर जब उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट ने हमारे परिवार की सुरक्षा के लिए और व्यवस्था की तो यह गवर्नमेंट जब आई तो उसके बाद सारी सुरक्षा विदड्रा कर ली गयी और अब स्थिति यह है कि हालांकि उस वक्त हमारे भाई, पत्नी और बच्चे सब लखनऊ में थे लेकिन उन्हें टैरराइज़ करने की कोशिश की जाती है कि जब मुलायम सिंह के परिवार के ऊपर बम फैका जा सकता है तो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता किस सीमा तक सुरक्षित रह सकते हैं। 24 मार्च से, मेरे पास लिस्ट है, 24 मार्च से 24 अप्रैल तक इटावा जिले में अकेले हमारे 16 कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई हैं, 17 डकैतियां पड़ी है। एक मामले में भी एक को छोड़कर क्योंकि एक आदमी मौके पर गिरफ्तार हुआ, दिन में गोली मारते हुए। इसके अलावा किसी मामले में एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई। अभी मुझे फैक्स मिला है कि मैं पार्टी दफ्तर में बैठा था तो मुझे फिरोजाबाद से फैक्स मिला है जिसमें उन्होंने कहा है कि जब से नयी सरकार आयी है, अकेले फिरोजाबाद जिले में 21 लोगों की हत्याएं हुई है, 60 लोगों पर, समाजवादी पार्टी के लोगों पर गुंडा ऐक्ट तामील हुआ है और 90 लोगों के खिलाफ हरिजन ऐक्ट के मुकद्दमें कायम हुए है।

यह स्थिति पूरे उत्तर प्रदेश की है। चेयरमैन सर .....

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (बिहार): यह एक जिले की स्थिति है।

†مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: یہ ایک ضلع کی (استفہامیہ ہے)

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Please let him finish.

श्री राम गोपाल यादव : यह एक जिले की स्थिति है। एक महीने में उत्तर प्रदेश में जितनी हत्याएं हुई हैं ये 1996 में पूरे वर्ष में जितनी हत्याएं हुई थीं उनसे ज्यादा हुई हैं। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि अगर आप गुरू द्रोण और भीष्म की तरह आंख बन्द करके बैठे रहेंगे, आप उसमें शामिल हैं, तो इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध यह है कि इस सरकार को निर्देश दें कि कम से कम मेम्बर आफ पार्लियामेंट—मैंने उनको चिट्ठी लिखी तो मेरी सारी सेक्योरिटी विदड्रा कर ली गई। मेरे खिलाफ कोई मुकदमा कायम नहीं है, मेरे खिलाफ एक भी मुकदमा कायम नहीं है इसलिए वह बयान नहीं दे सकीं लेकिन हमारी सेक्योरिटी विदड्रा कर ली और यह कहा कि पिछली जो सेक्योरिटी बनी रही उसका इतना पैसा होता है वह और भेज दीजिए, तो यह स्थिति है हमारे कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं, मेरे परिवारजन असुरक्षित हैं और इंटेलीजेंस ब्यूरो, आईबी की रिपोर्ट है कि हमारे परिवार को खतरा है, अन्तर्राष्ट्रीय उग्रवादियों से खतरा है, तब भी हमारे परिवार की सेक्योर्टी विदड्रा कर ली गई है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI) : The Government will take note of the apprehensions that have been expressed as regards security-has personal security as well as the security of his family, I think Mr. Naidu should convey it to the Government.

THE MINISTER OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI YERRAN NAIDU K.) Yes, Sir.